हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह: रिपोर्ट

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग और राजभाषा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और विश्वविद्यालय कुलगीत से हुआ। उसके पश्चात् हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने जयशंकर प्रसाद और प्रसिद्ध कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित कविता का सामूहिक गान किया। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं तथा विदेशी भाषाओं के बीच अनुवाद की महत्ता बताते हुए कहा कि अनुवाद ही भाषाओं का भविष्य है।

मुख्य अतिथि प्रसिद्ध लेखक और कथाकर डॉ. पंकज मित्र ने कहा कि हिंदी की सबसे बड़ी विशेषता उसका सर्व समावेशी चरित्र है। अतः हिंदी को सामंती व्यवहार से बचना चाहिए।स्वागत वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री के.के राव ने कहा कि हमें अपना कामकाज अधिक से अधिक सरल और सहज हिंदी में करना चाहिए जिसे आसानी से समझा जा सके। कार्यक्रम के संयोजक और प्रभारी हिंदी अधिकारी डॉ. उपेंद्र कुमार 'सत्यार्थी' ने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि राजभाषा अधिनियम के तहत हम 'क' क्षेत्र में होने के नाते हमें कार्यालय के सभी कामकाज जैसे पत्राचार, टिप्पण और प्रा11 प्रारूपण का कार्य हिंदी में करें। डॉ. उपेंद्र ने इस अवसर पर गृह मंत्रालय द्वारा जारी गृह मंत्री के सन्देश का भी पाठ किया। हिंदी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा हिंदी भाषा के ऐतिहासिक और संवैधानिक विकास पर एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में शोधार्थी सूरज रंजन द्वारा रचित हिंदी ग़ज़ल का भी पाठ किया गया। मंच का संचालन हिंदी विभाग के छात्र भुवनेश कुमार प्रधान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन उप कुलसचिव ले. कमा. उज्ज्वल कुमार ने किया। इस मौके पर प्रो. मनोज कुमार, प्रो. भगवान सिंह, प्रो. रत्नेश विश्वक्सेन, प्रो. आशीष सचान, प्रो. देवव्रत सिंह, प्रो. श्रेया भटाचार्जी, प्रो. जी पी सिंह, प्रो. डी बी लाटा, डॉ रवि रंजन, डॉ. जगदीश सौरभ, डॉ. राम किशोर सिंह, डॉ रमेश उरांव, डॉ. जया शाही, डा रत्नेश मिश्रा, श्री सुशांत कुमार, अमित कुमार यादव, उप कुल सचिव अब्दुल हलीम,परीक्षा नियंत्रक बी. बी. मिश्रा, वित्त अधिकारी, सहायक कुल सचिव नफीस अहमद खान, जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार सहित विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे ।

सीयूजे : हिंदी को सामंती व्यवहार से बचना चाहिए : डॉ. पंकज मित्र

रांची | झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग और राजभाषा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसमें हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने जयशंकर प्रसाद और सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित कविता का सामूहिक गान किया। हिंदी भाषा के ऐतिहासिक और संवैधानिक विकास पर लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने किया। मुख्य अतिथि लेखक और कथाकर डॉ. पंकज मित्र ने कहा कि हिंदी को सामंती व्यवहार से बचना चाहिए।

प्रभात खबर 15.09.23

अनुवाद ही भाषाओं का भविष्य है : प्रो दास

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में भी हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इसमें हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने जयशंकर प्रसाद और प्रसिद्ध कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता पढ़ी। मौके पर कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने हिंदी, अन्य भारतीय भाषाओं व विदेशी भाषाओं के बीच अनुवाद की महत्ता बताते हुए कहा कि अनुवाद ही भाषाओं का भविष्य है। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध लेखक और कथाकर डॉ पंकज मित्र ने कहा कि हिंदी की सबसे बड़ी विशेषता उसका सर्व समावेशी चरित्र है।

दैनिक भास्कर 15.09.23

हिन्दुस्तान 15.09.23

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

निज संवाददाता

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग और राजभाषा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और विश्वविद्यालय कुलगीत से हुआ। उसके पश्चात हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने जयशंकर प्रसाद और प्रसिद्ध कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित कविता का सामूहिक गान किया। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं तथा विदेशी भाषाओं के बीच अनुवाद की महत्ता बताते हुए कहा कि अनुवाद ही भाषाओं का भविष्य है। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध लेखक और कथाकार डॉ. पंकज मित्र ने कहा कि हिंदी की सबसे बड़ी विशेषता उसका सर्व समावेशी चरित्र है। अतः हिंदी को सामंती व्यवहार से बचना चाहिए.स्वागत वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री के.के राव ने कहा कि हमें अपना कामकाज अधिक से अधिक सरल और सहज हिंदी में करना चाहिए जिसे आसानी से समझा जा सके। कार्यक्रम के संयोजक और प्रभारी हिंदी अधिकारी डॉ. उपेंद्र कुमार 'सत्यार्थी' ने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि राजभाषा अधिनियम के तहत हम 'क' क्षेत्र में होने के नाते हमें कार्यालय के सभी कामकाज जैसे पत्राचार, टिप्पण और प्रारुपन का कार्य हिंदी में करें। डॉ. उपेंद्र ने इस अवसर पर गृह मंत्री के सन्देश का भी पाठ किया। हिंदी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा हिंदी भाषा के ऐतिहासिक और संवैधानिक विकास पर एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में शोधार्थी सूरज रंजन द्वारा रचित हिंदी गजल का भी पाठ किया गया। मंच का संचालन हिंदी विभाग के छात्र भुवनेश कुमार प्रधान ने किया।धन्यवाद ज्ञापन उप कुलसचिव ले. क. उज्ज्वल कुमार ने किया। इस मौके पर प्रो. आर. के. डे, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. भगवान सिंह, प्रो. सुभाष चंद्र यादव, प्रो. रत्नेश विश्वक्सेन, प्रो. आशीष सचान, प्रो. देवव्रत सिंह, प्रो. श्रेया भटाचार्जी, प्रो. तपन बर्सातिया, प्रो. रवींद्र नाथ शर्मा, डॉ. सुचिता सेन चौधुरी, डॉ रंजीत मंडल, उप कुल सचिव अब्दुल हलीम,परीक्षा नियंत्रक बी. बी. मिश्रा, नफीस अहमद खान, पीआरओ नरेंद्र कुमार आदि विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद थे।

हिंदी की विशेषता उसका सर्व समावेशी चरित्र है : डॉ पंकज

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) हिंदी विभाग और राजभाषा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को हिंदी दिवस समारोह आयोजित हुआ. कथाकार डॉ पंकज मित्र ने कहा कि हिंदी की सबसे बड़ी विशेषता उसका सर्व समावेशी चरित्र है. इसलिए हिंदी को सामंती व्यवहार से बचना चाहिए. कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं तथा विदेशी भाषाओं के बीच अनुवाद की महत्ता बतायी. कहा कि अनुवाद ही भाषाओं का भविष्य है. कुलसचिव केके राव ने आगंतुकों का स्वागत किया. डॉ उपेंद्र कुमार सत्यार्थी ने कहा कि राजभाषा अधिनियम के तहत कार्यालय के सभी कामकाज हिंदी में करना है. संचालन भुवनेश कुमार प्रधान और धन्यवाद ज्ञापन उप कुलसचिव लेफ्टिनेंट कर्नल उज्ज्वल कुमार ने किया. इस दौरान विद्यार्थियों ने जयशंकर प्रसाद और कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविताओं का सामूहिक पाठ किया. मौके पर प्रो आरके डे, प्रो मनोज कुमार, प्रो भगवान सिंह, प्रो सुभाष चंद्र यादव, प्रो रत्नेश विश्वक्सेन, प्रो आशीष सचान, प्रो देवव्रत सिंह, प्रो श्रेया भटाचार्जी, प्रो तपन बसंतिया, प्रो रवींद्र नाथ शर्मा, डॉ सुचिता सेन चौधुरी, डॉ रंजीत मंडल, अब्दुल हलीम, बीबी मिश्रा, नफीस अहमद खान, नरेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे.

एटीआइ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल एल ख्यांग्ते.

घर में संवाद की भाषा हिंदी हो : ख्यांग्ते

श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेशक एल ख्यांग्ते ने कहा कि घर पर संवाद की भाषा हिंदी हो. हिंदी की आवश्यकता सभी जगह है. इससे बचा नहीं जा सकता. दक्षिण से लेकर उत्तर और पूरब से पश्चिम तक हिंदी की आवश्यकता महसूस की जा रही है. उन्होंने कहा कि वे मिजोरम से हैं, वहां भी अब हिंदी सीखने के लिए स्पोकेन हिंदी की क्लास चल रहा है. श्री ख्यांग्ते गुरुवार को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में बोल रहे थे. कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो ने कहा कि सरकार का यह प्रयास है कि सभी सरकारी विभागों में हिंदी भाषा में कार्य हो. मौके पर डॉ मिथिलेश कुमार सिंह, संस्थान के निदेशक श्रीनिवासन,डॉ प्रज्ञा गुप्ता मौजूद थे.

हिंदी संवाद और ज्ञान की भाषा : आयुक्त

रांची. हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है. यह निरंतर सशक्त और मजबूत हो रही है. हिंदी अब वैश्विक स्तर पर तकनीक और व्यापार की भाषा के रूप में स्थापित हो रही है. हिंदी संवाद और ज्ञान की भाषा है. इसकी महत्ता समझते हुए हम सब को मिल कर इसे और सशक्त बनाने के लिए सक्रियता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है. उक्त बातें प्रमंडलीय आयुक्त मनोज जायसवाल ने कही. आयुक्त ने हिंदी दिवस पर विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम का उदघाटन किया. उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर से भी हिंदी को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है. वहीं, उपायुक्त राहुल सिन्हा ने लोगों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी. इस दौरान डॉ राजश्री जंयती, डॉ सुरिंदर कौर नीलम, सदानंद सिंह यादव, शालिनी नायक, नरेश कुमार बंका, सरोज झा, चंद्रिका ठाकुर, चंदन प्रजापति आदि कवियों ने अपनी रचना प्रस्तुत की.

एनटीपीसी मुख्यालय में हिंदी पखवाड़ा शुरू

रांची. हिंदी दिवस के अवसर पर एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय, रांची की ओर से हिंदी पखवाड़े की शुरुआत मुख्य महाप्रबंधक (प्रभारी) अनिमेष जैन की अध्यक्षता में की गयी. इस दौरान सभागार में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिंदी में प्रतिज्ञा ली. इसका उद्देश्य देश में हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना है. मौके पर श्री जैन ने सभी कर्मचारियों को हिंदी दिवस की बधाई दी और युगों-युगों से प्रचलित हिंदी भाषा का महत्व भी बताया. उन्होंने कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति हमें और ज्यादा सचेत होने की आवश्यकता है. भारत सरकार के उपक्रम होने के नाते एनटीपीसी का भी यह दायित्व है कि हम आमजन के हित में कार्यालयों में हिंदी भाषा में काम करें. उन्होंने अपील की है कि कंप्यूटर व विभिन्न मोबाइल ऐप्स जैसे ई-मेल, व्हाट्सएप, सोशल मीडिया पर भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और इस भाषा के प्रयोग में गौरव महसूस करें. हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे हिंदी टिप्पणी, राजभाषा प्रश्नोत्तरी, हिंदी पीपीटी प्रस्तुति तथा गृहिणियों और बच्चों के लिए कविता पाठ का भी आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम का समापन कर्मचारियों द्वारा हिंदी हस्ताक्षर अभियान के साथ हुआ.

हिंदी मन की भाषा, प्रेम की भाषा है : कुलपति

रांची. डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के पीजी हिंदी विभाग व शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्र के विकास में हिंदी की भूमिका विषय पर गुरुवार को गोष्ठी हुई. कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि हिंदी जनमानस और प्रेम की भाषा है. मुख्य अतिथि इक्फाई विवि के कुलपति डॉ रमन कुमार झा थे. मौके पर प्रो विंध्यवासिनी नंदन पांडेय, डॉ जिंदर सिंह मुंडा, डॉ जितेंद्र सिंह, प्रियांशु कुमार ने भी विचार दिये. इस दौरान पीजी हिंदी विभाग में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सरस्वती ...

हिंदी साहित्य परिषद ने मनाया हिंदी दिवस

रांची. संत जेवियर्स कॉलेज हिंदी साहित्य परिषद, हिंदी विभाग और आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को हिंदी दिवस सह डॉ फादर कामिल बुल्के की जयंती मनायी गयी. ...

निर्मला कॉन्वेंट स्कूल

रांची. निर्मला कॉन्वेंट स्कूल में गुरुवार को विश्व हिंदी दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई. छठी से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने ... वाद-विवाद का विषय इंटरनेट ...

मारवाड़ी कॉलेज

रांची. मारवाड़ी कॉलेज में गुरुवार को हिंदी दिवस मनाया गया. डॉ स्मिता गहलोत ने हिंदी की महत्ता ...

दैनिक जागरण 15.09.23

झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्
हिन्दी पखवाड़ा (14-29) सितंबर 2
हिन्दी दिवस समारोह
'हिन्दी मैं हम'
मुख्य अतिथि
श्री पंकज मित्र